बंजर भूमि पर दो हजार मेगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य

ऐसी भूमि के अतिरिक्त 80 हजार घरों के ऊपर भी लगेंगे सोलर पैनल

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में जुटी है। इसके तहत इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 80 हजार घरों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इसी तरह बंजर भूमि में दो हजार मेगावाट बिजली पैदा करने की रणनीति पर भी काम चल रहा है।

प्रदेश सरकार ने अगले ढाई से तीन वर्ष में 25 लाख घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का संकल्प लिया है। अब तक 48 हजार से अधिक घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत तक करीब 30 हजार घरों को सौर ऊर्जा मिलने लगेगी।

इसी प्रकार पीएम कुसुम योजना के तहत 2027 तक 2000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसानों को उनकी बंजर भूमि पर सोलर पैनल लगाने के साथ ही अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा।

तीन साल में प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

जैव ऊर्जा में प्रगति

प्रदेश में अगले दो वर्ष में बायो कम्प्रेस्ड गैस की क्षमता को 1000 टीपीडी, बायो कोल की क्षमता को 4000 टीपीडी और बायो डीजल की क्षमता को 2000 केएलपीडी तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। बायो कम्प्रेस्ड गैस के 210 टीपीडी की क्षमता वाले संयंत्र क्रियाशील हैं और कई अन्य निर्माणाधीन हैं।

परियोजनाओं का होगा विस्तार

प्रदेश में सौर ऊर्जा की कई परियोजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसमें 4800 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्कों का निर्माण भी शामिल है, जिनकी टेंडरिंग प्रक्रिया चल रही है। सात जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापना की योजना भी है, जिसे नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी), टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (टीएचडीसी) और सतलुज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) के साथ मिलकर पूरा किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य 2027 तक राज्य की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 14,000 मेगावाट तक पहुंचाना है।